Unit 02 **स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली**

(Health Care Delivery System)

Q. स्वास्थ्य देखभाल अवधारणा से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with health care concept?

उत्तर - स्वास्थ्य देखभाल अवधारणा (Health Care Concept)

स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली वे सेवाएं होती हैं जो उन्हें बीमारियों की रोकथाम, स्वास्थ्य की पुनर्स्थापना एवं उन्नयन तथा आवश्यकतानुसार उपयुक्त पुनर्वास हेतु प्रदान की जाती हैं।

स्वस्थ शरीर प्रत्येक व्यक्ति की सबसे कीमती सम्पत्ति होती है।

इसी प्रकार स्वस्थ देशवासी किसी भी देश की सबसे मूल्यवान धरोहर होती है।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वयं के सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु अपने पूर्ण प्रयास कर सकता है तथा अपनी क्षमताओं, ज्ञान, कौशल आदि का शत-प्रतिशत उपयोग कर पाता है।

स्वस्थ शरीर के अभाव में व्यक्ति द्वारा अपनी क्षमताओं, ज्ञान तथा कौशल का शत-प्रतिशत उपयोग कर पाना संभव नहीं है।

Health care is the services provided by health workers to the individual, family and community for the prevention of diseases, restoration and promotion of health and appropriate rehabilitation as per need.

A healthy body is the most valuable asset of every person.

nursingyan.com

Similarly, healthy citizens are the most valuable asset of any country.

A healthy mind resides only in a healthy body and only a physically and mentally healthy person can make full efforts for his own socio-economic and cultural development and can make 100 percent use of his abilities, knowledge, skills etc.

In the absence of a healthy body, it is not possible for a person to utilize his abilities, knowledge and skills 100 percent.

स्वास्थ्य निर्धारण के कारक (Factor of Health Concept)

स्वास्थ्य एक गतिशील अवधारणा है तथा अनेक प्राकृतिक एवं कृत्रिम कारक व्यक्ति एवं समुदाय के स्वास्थ्य का निर्धारण करते हैं।

इनमें से कुछ प्रमुख कारक निम्न हैं-

Health is a dynamic concept and many natural and artificial factors determine the health of an individual and community. Some of these major factors are as follows-

- आनुवांशिक कारक (Genetic Factors)
- पर्यावरणीय कारक (Environmental Factors)
- जीवन शैली (Life Style)
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक (Socio-cultural Factors)
- पोषण संबंधी कारक (Nutritional Factors)
- आर्थिक कारक (Economical Factors)

nursingguan.com

• राजनैतिक कारक (Political Factors)

• अन्य कारक जैसे शिक्षा, कृषि, औद्योगिक विकास आदि।

स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य (Objectives of Health Care)

व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल के मुख्य उद्देश्य निम्न होते हैं-

The main objectives of health care provided to the individual, family and community are as follows-

• स्वास्थ्य को बढ़ावा देना (Promotion of Health)

• बीमारियों की रोकथाम (Prevention of diseases)

• बीमारियों का समय पर निदान (Timely diagnosis of diseases)

• स्वास्थ्य की पुनर्स्थापना (Restoration of Health)

• आवश्यकतानुसार मरीजों का पुनर्वास (Rehabilitation of Patients as per Necessity)

Q. ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with rural health services?

अथवा(or)

भारत में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का वर्णन कीजिए।

Explain the Rural Health Services in India.

उत्तर - ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ (Rural Health Services) -

nursingguan.com

ग्रामीण क्षेत्रों में जन-समुदाय के स्वास्थ्य को उन्नत व बेहतर बनाए रखने के लिए सरकार व विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं कहलाती हैं।

ये सेवाएं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (National Rural Health Mission, NRHM) के अंतर्गत दी जाती हैं।

इसके अन्तर्गत स्वास्थ्य सेवाओं का क्रियान्वयन निम्न चार स्तरों पर किया जाता है-

Health services provided by the government and various institutions to improve and maintain the health of the population in rural areas are called rural health services.

These services are provided under the National Rural Health Mission (NRHM).

Under this, health services are implemented at the following four levels-

1. ग्राम स्तर पर (Village Health Level)

ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का क्रियान्वयन ग्राम स्वास्थ्य मार्ग दर्शक, प्रशिक्षित दाई, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा आशा के द्वारा किया जाता है।

Health services are implemented at the village level by village health guides, trained midwives, Anganwadi workers and ASHAs.

2. उपकेन्द्र पर (Sub-centre) -

एक उपकेन्द्र 3000-5000 की जनसंख्या को कवर करता है। यहाँ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा एक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता

nursingguru.com

कार्यरत रहते हैं।

A sub-centre covers a population of 3000-5000. One female health worker and one male health worker are employed here to provide health services.

3. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (Primary Health Centre) -

एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लगभग 20,000-30,000

की जनसंख्या को कवर करता है। यहाँ स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु मेडिकल ऑफिसर, स्टॉफ नर्स, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, महिला स्वास्थ्य सहायक, पुरुष स्वास्थ्य सहायक, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन आदि कार्यरत होते हैं।

A primary health center costs around Rs 20,000-30,000. Covers a population of. Medical officers, staff nurses, female health workers, female health assistants, male health assistants, pharmacists, lab technicians etc. are employed here for the implementation of health services.

4. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (Community Health Centre) -

एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 80,000- 1,20,000 की जनसंख्या को कवर करता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को प्रथम रैफरल यूनिट भी कहा जाता है।

यहाँ बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्स ग्रेड-द्वितीय, लैब टैक्नीशियन, रेडियोग्राफर फार्मासिस्ट आति कार्यरत होते हैं।

इन सबके अलावा ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा

nursingjan.com

रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों क क्रियान्वयन भी किया जाता है।

ये कार्यक्रम विभिन्न संक्रामक तथा गैर संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण से संबंधित हैं।

A community health center costs Rs. 80,000- Covers a population of 1,20,000.

Community Health Center is also called first referral unit. Specialist doctors, nurses grade-II, lab technicians, radiographers, pharmacists etc. are employed here to provide better health services.

Apart from all this, national health programs run by the Central Government are also implemented under rural health care.

These programs are related to the control of various infectious and non-infectious diseases.

Q. **चिकित्सा की देशीय अथवा स्थानीय प्रणाली समझाइए।**

Describe the indigenous system of medicine.

अथवा(or)

भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुष) को समझाइए।

Explain the Indian system of medicine (AYUSH).

उत्तर- चिकित्सा की देशी प्रणाली (Indigenous System of Medicine) -

चिकित्सा की देशी प्रणाली आयुष (AYUSH) विभाग के अंतर्गत आती हैं जिसमें पांच प्रकार की चिकित्सा प्रणाली शामिल हैं। ये पांचों पद्धतियाँ प्राचीन काल से ही विभिन्न

nursingguan.com

बीमारियों की रोकथाम तथा उपचार हेतु प्रचलित हैं।

ग्रामीण तथा दूरवर्ती क्षेत्रों में निवास कर रहे लोग आज भी बीमारियों के उपचार हेतु इन चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग करते हैं।

इन चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्गत आहार-चिकित्सा (diet therapy), पर्याप्त व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय स्वच्छता, दैनिक व्यायाम, योग, व्यसनों से दूर रहना, स्वास्थ्यकर दिनचर्या आदि पर भी जोर दिया जाता है।

इन पद्धतियों का व्यापक रूप से विस्तार हो रहा है-

Indigenous system of medicine comes under AYUSH department which includes five types of medical systems.

These five methods have been prevalent since ancient times for the prevention and treatment of various diseases.

People living in rural and remote areas still use these medical methods for the treatment of diseases.

Under these medical methods, emphasis is also laid on diet therapy, adequate personal and environmental hygiene, daily exercise, yoga, staying away from addictions, healthy routine etc.

These methods are expanding widely-

- आयुर्वेद (Ayurveda)
- योगा व नैचुरापैथी (Yoga and Naturopathy)
- यूनानी (Unani)
- सिद्धा (Sidha)
- होम्योपैथी (Homeopathy)

nursingsyan.com

1. चिकित्सा की आयुर्वेद प्रणाली (Ayurveda System of Medicine) -

विभिन्न बीमारियों की रोकथाम तथा उपचार हेतु आयुर्वेद प्रणाली के उपयोग का इतिहास बहुत पुराना है, वेदकाल में भी इस चिकित्सा प्रणाली का उपयोग किया जाता था।

इसके अंतर्गत इतिवृत लेकर (by history taking) तथा विभिन्न परीक्षण एवं अवलोकनों के द्वारा रोगी का निदान (diagnosis) किया जाता है, तत्पश्चात् उपचार किया जाता है।

आयुर्वेद प्रणाली का अभ्यास पंच महाभूताज (पाँच तत्व) वाले सिद्धांत पर आधारित है।

ये पाँच तत्व हैं- जल, वायु, पृथ्वी, आकाश एवं अग्नि इसके अलावा आयुर्वेद में इन पाँचों तत्वों को तीन तत्वों में समाहित किया गया हैं वात, पित्त एवं कफ।

आयुर्वेद यह मानता है कि मानव का शरीर आत्मा, मन, सप्त धातु तथा पाँच इंद्रियों का मिश्रण है।

इन तत्वों में किसी भी प्रकार की संरचनात्मक अथवा कार्यात्मक बाधा उत्पन्न होने पर व्यक्ति अस्वस्थ हो जाता है।

उपचार के दौरान इन संरचनात्मक अथवा कार्यात्मक असामान्यताओं को दूर किया जाता है।

The history of use of Ayurveda system for prevention and treatment of various diseases is very old, this medical system was used even in the Vedic period.

Under this, the patient is diagnosed by history taking and various tests and observations, and then treatment is done.

The practice of Ayurveda system is based on the principle of Panch Mahabhutaja (five elements).

nursingguan.com

These five elements are - water, air, earth, sky and fire.

Apart from this, in Ayurveda these five elements are included in three elements - Vata, Pitta and Kapha. Ayurveda believes that the human body is a mixture of soul, mind, seven metals and five senses.

If any kind of structural or functional obstruction occurs in these elements, the person becomes unwell.

These structural or functional abnormalities are corrected during treatment.

2. चिकित्सा की योगा व नैचुरोपैथी प्रणाली (Yoga and Naturopathy System of Medicine) -

चिकित्सा की इस प्रणाली के द्वारा विभिन्न व्यायामों तथा शारीरिक संस्थितियों (body postures) के द्वारा रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य का उन्नयन तथा रोगों का उपचार सुनिश्चित किया जाता है।

नैचुरोपैथी में प्रकृति के तत्व जैसे- जल, मिट्टी आदि के प्रयोग से रोगों का उपचार किया जाता है।

Through this system of medicine, prevention of diseases and maintenance of health through various exercises and body postures.Upgradation and treatment of diseases is ensured.

In Naturopathy, diseases are treated by using elements of nature like water, soil etc.

3. चिकित्सा की यूनानी प्रणाली (Unani System of Medicine) -

nursingguan.com

चिकित्सा की यूनानी पद्धति की शुरूआत ग्रीक देशों से हुई।

भारत में इस चिकित्सा पद्धति का आरंभ ।। वीं तथा 12वीं शताब्दी के मध्य में माना जाता है।

चिकित्सा की इस पद्धति में नैदानिक (Diagnostic), उन्नायक (Promotive), रोकथामात्मक (Preventive), तथा उपचारात्मक (Therapeutic), सेवाओं का मिश्रण है।

उपचार हेतु औषधियों के उपयोग के साथ-साथ आहार में आवश्यक बदलाव पर भी जोर दिया जाता है।

Unani system of medicine started from Greek countries. Introduction of this medical system in India.

It is believed to be between the 10th and 12th centuries. This system of medicine combines diagnostic, promotive, preventive, and therapeutic services.

Along with the use of medicines for treatment, emphasis is also laid on necessary changes in diet.

4. चिकित्सा की सिद्धा प्रणाली (Sidha System of Medicine) -

यह चिकित्सा की बहुत ही प्राचीन प्रणाली है जिसका उद्भव तमिलनाडु से हुआ माना जाता है।

तमिल भाषी क्षेत्रों में यह चिकित्सा प्रणाली बहुतायत में उपयोग में आती है।

इस प्रणाली के अंतर्गत हृदय धड़कन की दर, मल-मूत्र का परीक्षण, आँखों एवं त्वचा का परीक्षण, जीभ का परीक्षण, भूख की स्थिति आदि के आधार पर रोग का निदान किया जाता है, तदनुसार रोगी को उपचार दिया जाता है।

उपचार हेतु विभिन्न धातुओं, पेड़-पौधों एवं जीव-जन्तुओं के उत्पादों, विभिन्न खनिज

nursingguan.com

लवणों आदि का उपयोग किया जाता है।

This is a very ancient system of medicine Which is believed to have originated from Tamil Nadu. This medical system is widely used in Tamil speaking areas.

The system includes heart beat rate, stool-urine examination, eye and skin examination, tongue examination, hunger status.

On the basis of etc., the disease is diagnosed and treatment is given to the patient accordingly.

Various metals, trees and plants for treatment And animal products, various mineral salts etc. are used.

5. चिकित्सा की होम्योपैथी प्रणाली (Homeopathy System of Medicine)

इस चिकित्सा प्रणाली की शुरूआत 17वीं शताब्दी में जर्मनी से हुई।

इसके अंतर्गत रोगी से विस्तृत इतिवृत ली जाती है तथा रोग का निदान किया जाता है।

तदनुसार रोगी को उपचार दिया जाता है।

आयुष चिकित्सा पद्धतियां एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति की तुलना में बहुत सस्ती है। इसके अलावा इस चिकित्सा पद्धति के दुष्प्रभाव भी तुलनात्मक बहुत कम हैं।

This medical system started from Germany in the 17th century.

Under this, a detailed history is taken from the patient and the disease is diagnosed. The patient is given treatment accordingly.

AYUSH medical systems are much cheaper than allopathic medical systems.

Apart from this, the side effects of this medical method are also

nursingguyan.com

comparatively very less.

Q. स्वैच्छिक स्वास्थ्य एजेन्सियां अथवा संगठन क्या हैं? इसके सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

What are the voluntary health agencies? Describe its principles.

उत्तर - स्वैच्छिक स्वास्थ्य संगठन/एजेन्सी (Voluntary Health Agencies) -

एक स्वैच्छिक स्वास्थ्य एजेन्सी वह नॉन-प्रॉफिट संगठन होता है जोकि स्वायत्तशायी समिति द्वारा संचालित होता है।

यह संगठन अपनी सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु बैठकों का आयोजन करता है, योजना का निर्माण करता है तथा संसाधन जुटाने हेतु धन संग्रहण करता है।

ये संगठन स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं से संबंधित कार्य करती हैं जैसे- स्वास्थ्य का उन्नयन, बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार, शिक्षण एवं प्रशिक्षण, स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान आदि। स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न एजेन्सियां जैसे- रेडक्रॉस, भारत सेवक समाज, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) आदि कार्यरत हैं।

A voluntary health agency is a non-profit organization which is run by an autonomous committee.

This organization organizes meetings, formulates plans and collects funds to mobilize resources to implement its services.

These organizations work related to various aspects of health like health promotion, prevention and treatment of diseases, education and training, health related research etc.

Various agencies like Red Cross, Bharat Sevak Samaj, World Health Organization (WHO) etc. are working in the field of health.

nursingyan.com

स्वैच्छिक स्वास्थ्य संगठन के सिद्धांत (Principles of Voluntary Health Agencies) -

इसके प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं-

Its main functions are as follows-

1. सहभागिता (Participation) -

स्वैच्छिक संगठन लोगों के साथ मिलाकर कार्य करते हैं व लोगों की सहभागिता के द्वारा कार्यों को पूरा करने पर अच्छे परिणाम आते हैं।

Voluntary organizations work together with people and good results are achieved by completing the tasks with people's participation.

2. लचीलापन (Flexibility) -

ये संस्थाएँ लोगों की आवश्यकतानुसार अपने कार्यक्रमों में बदलाव कर सकती हैं। इन पर किसी कानून की बाध्यता नहीं होती है।

These organizations can make changes in their programs as per the needs of the people. There is no obligation of any law on them.

3. नेतृत्त्व (Leadership) -

ये संस्थाएँ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक व प्रेरित भी करती हैं। ये नेताओं को भी सामाजिक व आर्थिक समस्याओं के बारे में जागरुक करती है।

These organizations also make people aware and motivated towards health. It also makes leaders aware of social and economic problems.

nursingyan.com

4. शासकीय प्रयास (Effort of Government) -

स्वैच्छिक स्वास्थ्य संस्थाएँ बड़ी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की भी मदद करती हैं। अनेक समस्याएँ ऐसी होती हैं जिनको सरकार अकेले हल नहीं कर पाती है।

Voluntary health organizations also help the government to solve major problems. There are many problems which the government alone cannot solve.

5. प्रभावी पॉलिसी बनाना (Effective Policy Formation) -

ये संस्थाएँ लोगों की आवश्यकताओं को समझकर स्वास्थ्य के लिए प्रभावी पॉलिसी भी बनाती हैं।

These organizations understand the needs of the people and also make effective policies for health.

6. योजनाओं में सुधार (Rectification of Planners) -

ये संस्थाएँ लोगों के साथ मिलजुलकर गलतियों में सुधार कर सकती हैं, अपनी योजना को फिर से बना सकती हैं।

These organizations can work with people to correct mistakes and re-make their plans.

7. सकारात्मक सोच (Positive Attitudes) -

स्वैच्छिक संस्थाएँ लोगों की समस्याओं को सुलझाकर सकारात्मक सोच विकसित कर सकती हैं।

nursingyan.com

Voluntary organizations can develop positive attitudes of people by solving their problems.

Q. स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में नर्स की क्या भूमिका होती है?

What are the role of a nurse in health care services?

उत्तर - सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स का कार्य नियुक्ति स्थल तथा उसे प्राप्त पद के अनुसार निर्धारित होता है, शिक्षा व अनुभव उसके कार्यकारणी पर प्रभाव डालते हैं, फिर भी सामुदायिक स्वास्थ्य नसों को स्वास्थ्य की संगठनात्मक संरचना के अन्तर्गत ही कार्य करना होता है जिनमें से मुख्य कार्य निम्न हैं-

The work of a community health nurse is determined according to the place of appointment and the post received by him, education and experience influence his executive, yet community health nurses have to work within the organizational structure of health, the main work of which is Following are-

A. प्रबन्धकीय कार्य - इनमें निम्न उत्तरदायित्व सम्मिलित हैं-

These include the following responsibilities-

1. ऑकलन (Assessment) -

• व्यक्ति, परिवार के बारे में उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

• स्वास्थ्य से जुड़ी हुई जरूरतों तथा समस्या का पता लगाना।

• उन कारकों का पता लगाना जो स्वास्थ्य समस्या को जन्म दे रहे हैं।

nursingguan.com

• व्यक्ति तथा परिवार के लोगों की योग्यता का पता लगाना कि वे अपने स्वास्थ्य के बारे में कितने सहज हैं।

• यह पता लगाना कि स्वास्थ्य से जुड़ी कितनी सुविधाएं प्राप्त हैं और उसका व्यक्ति तथा परिवार द्वारा कितना उपयोग किया जा रहा है।

• समाज में पायी जाने वाली समस्या के अनुसार यह पता लगाना कि किन स्वास्थ्य सेवाओं की समाज में ज्यादा जरूरत है।

• नर्सिंग सेवाओं की प्रकृति एवं भूमिका का निर्धारण करना।

• जानपदिक सर्वेक्षण (epidemiological survey) में भाग लेना।

• व्यक्ति, परिवार तथा समाज से प्राप्त स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को एकत्र कर रिपोर्ट तैयार करना।

• To get information about the person, family and people related to him.

• To identify health related needs and problems.

• To find out the factors that are giving rise to health problems.

• To assess the individual's and family's ability to feel comfortable with their health.

• To find out how many health related facilities are available and how much is being utilized by the individual and family.

• According to the problems found in the society, to find out which health services are more needed in the society.

• To determine the nature and role of nursing services.

nursingyan.com

• Participating in epidemiological surveys.

• Preparing reports by collecting health related information received from individual, family and society.

2. नियोजन (Planning) -

• व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को विस्तृत नर्सिंग सेवा प्रदान करने की योजना बनाना।

• स्वास्थ्य कार्यक्रम की संशोधित योजना तैयार करना।

• मुख्य स्थानों जैसे- स्कूल, फैक्टरी तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वास्थ्य से जुड़ी हुई योजनाओं तथा निदान की जानकारी देने की योजना बनानी चाहिए।

• स्वास्थ्य दल के सदस्यों में कार्य वितरण तथा सहयोग की योजना तय करनी चाहिए।

• सामान्य स्वास्थ्य शिक्षा के बारे में संबंधित लोगों के बीच समूह शिक्षा देने की योजना बनानी चाहिए।

• Planning to provide comprehensive nursing services to the individual, family and community.

• To prepare a revised plan of health programme.

• A plan should be made to provide information about health related schemes and diagnosis at important places like schools, factories and public places.

• A plan for work distribution and cooperation among health team members should be decided.

• A plan should be made to provide group education among the

nursingguan.com

concerned people about general health education.

3. पर्यवेक्षण (Supervision) -

• अधीनस्थ नर्सिंग कर्मियों (पुरुष एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वास्थ्य सहायकों, सुपरवाइजर्स, दाई) के कार्यों का पर्यवेक्षण करना चाहिए।

• परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदत्त देखभाल का निरीक्षण करना चाहिए।

• Should supervise the work of subordinate nursing personnel (male and female health workers, health assistants, supervisors, midwives).

• Care provided by family members should be monitored.

4. समन्वय एवं सहयोग (Coordination and Cooperation) -

• स्वास्थ्य दल के सदस्यों के मध्य सहयोग तथा समन्वय स्थापित करना।

• समुदाय में प्रभावशाली व्यक्तियों से स्वास्थ्य कार्य हेतु सहयोग प्रदान कराना।

• सरकारी एवं गैर-सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं तथा अन्य एजेन्सियों से सम्पर्क बनाए रखना चाहिए।

• स्वास्थ्य अधिकारियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के मध्य सम्पूर्ण सूत्र के रूप में कार्य करना।

• To establish cooperation and coordination among the members of the health team.

nursingyan.com

• Providing support for health work from influential people in the community.

• Contact should be maintained with government and non-government health institutions and other agencies.

• To act as a complete link between health officials and health workers.

5. मूल्यांकन (Evaluation) -

• अपने कार्य की मासिक प्रगति की समीक्षा करना।

• संगृहित रिपोर्ट को उच्च अधिकारियों/स्वास्थ्य एजेन्सी को प्रेषित करना।

• क्लीनिकल सेवा, टीकाकरण, योग्य दम्पतियों को प्रेरणा, परिवार नियोजन कार्य, इत्यादि की प्रगति के आधार पर अपने कार्य का मूल्यांकन करना।

• Reviewing the monthly progress of your work.

• To send the collected reports to higher authorities/health agency.

• To evaluate our work based on the progress of clinical services, vaccination, motivation of eligible couples, family planning work, etc.

B. नर्सिंग देखभाल कार्य (Nursing Care Function) -

इनमें निम्न उत्तरदायित्व सम्मिलित हैं-

nursingyan.com

These include the following responsibilities-

• व्यक्ति, परिवार एवं समाज में नर्सिंग सेवाएं प्रदान करना।

• रोग के निदान एवं उपचार में सहायता करना।

• रोगी की देखभाल में परिवार का मार्गदर्शन करना।

• नियमित गृह मुलाकात (home visit) करना।

• रोगी तथा परिवार में दी गई सेवा का रिकार्ड बनाना।

• To provide nursing services to the individual, family and society.

• To help in diagnosis and treatment of disease.

• Guiding the family in the care of the patient.

• Making regular home visits.

• Making records of services provided to the patient and family.

C. शैक्षणिक कार्य (Educational Function)-

इनमें निम्न उत्तरदायित्व सम्मिलित हैं-

These include the following responsibilities

• व्यक्तिगत एवं सामूहिक शिक्षण प्रदान करना।

• स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेना।

• नर्सिंग तथा स्वास्थ्य कर्मियों के प्रशिक्षण में सहयोग देना।

• रोगी की देखभाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना।

• पर्यावरण सुधार एवं विकास की शिक्षा प्रदान करना।

nursingyan.com

• साधारण A.V. Aids को तैयार करना तथा उनका बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करना।

• अनुसंधान (research) कायर्यों हेतु सर्वेक्षण, जनांकिकी आँकड़े इकट्ठे करना, तथ्य प्रस्तुति इत्यादि में सहयोग प्रदान करना।

• To provide individual and group teaching.

• Participating in school health education programs.

• To assist in the training of nursing and health workers.

• To provide practical training in patient care.

• To provide education on environmental improvement and development.

• Ordinary A.V. Preparing aids and using them wisely.

• To provide assistance in survey, gathering demographic data, presentation of facts etc. for research work.

D. अन्य कार्य (Other work)

• रैफरल सेवाओं का उपयुक्त प्रयोग करना।

• क्लीनिकों, स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना, संचालन मे सहयोग करना।

• स्वास्थ्य कर्मियों में कार्य का आवंटन करना।

• स्वास्थ्य रिकार्ड का रख-रखाव तथा समय-समय पर रिपोर्ट भेजना।

• स्वास्थ्य सांख्यिकी (health statistics) कार्य में सहयोग देना।

nursinggyan.com

• Making appropriate use of referral services.

• To cooperate in the establishment and operation of clinics and health centres.

• Allocating work among health workers.

• Maintenance of health records and sending periodic reports.

• To assist in health statistics work.

Q. स्वास्थ्य देखभाल से क्या आशय है? स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य व प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

What is health care? Explain objectives of health care and characteristics of effective health care.

उत्तर- स्वास्थ्य देखभाल (Health Care) -

विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक बीमारियों, चोटों एवं अपंगताओं का निदान (diagnosis), उपचार (treatment) तथा रोकथाम (prevention) ही स्वास्थ्य देखभाल कहलाती है।

स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत व्यक्तियों में पाई जाने वाली विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक बीमारियों की रोकथाम हेतु विभिन्न उपाय किए जाते हैं और बीमारियों के हो जाने पर इनका अतिशीघ्र निदान कर मरीज का उचित उपचार किया जाता है ताकि लोगों के जीवन को उन्नत एवं खुशहाल बनाया जा सके।

Diagnosis, treatment and prevention of various physical and mental diseases, injuries and disabilities is called health care.

Under health care, various measures are taken to prevent various physical and mental diseases found in people and when diseases

nursingyan.com

occur, they are diagnosed immediately and proper treatment is given to the patient so that people's lives can be made better and happier. .

स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य (Objectives of Health Care) -

व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य निम्न हैं-

The objectives of health care provided to the individual, family and community are as follows-

1. स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
2. बीमारियों की रोकथाम
3. बीमारियों का समय पर निदान
4. स्वास्थ्य की पुनर्स्थापना
5. आवश्यकतानुसार मरीजों का पुर्नवास

1. Promote health
2. Prevention of diseases
3. Timely diagnosis of diseases
4. Restoration of health
5. Rehabilitation of patients as needed

nursinggyan.com

प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की विशेषताएं (Characteristics of Effective Health Care) -

प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

Following are the main characteristics of effective health care-

1. उपलब्धता (Availability)

स्वास्थ्य देखभाल लोगों को आसानी से उपलब्ध तथा पहुँच में होनी चाहिए, उसका क्रियान्वयन इस तरह किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक उसका लाभ उठाया जा सके।

Health care should be easily available and accessible to the people, it should be implemented in such a way that maximum benefit can be availed from it.

2. पर्याप्तता (Adequacy) -

व्यक्ति, परिवार तथा समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकतानुसार अर्थात लोगों की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए।

उदाहरणार्थ- जनसंख्या के अनुसार अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्र, चिकित्सक तथा नर्सों की संख्या पर्याप्त होनी चाहिए।

Health care provided to the individual, family and community should be as per the need i.e. according to the needs of the people.

For example, the number of hospitals, health centres, doctors and nurses should be sufficient according to the population.

nursingguan.com

3. व्यापकता (Comprehensiveness)

व्यक्ति, परिवार व समाज को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल में व्यापकता होनी चाहिए अर्थात् इसमें सभी प्रकार की देखभाल का समावेश होना चाहिए-

The health care provided to the individual, family and society should be comprehensive, that is, it should include all types of care -

(a) स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली देखभाल (Health Promotive Care)

(b) बीमारियों की रोकथाम करने वाली देखभाल (Disease Preventive Care)

(c) रोगों का निवारण करने वाली देखभाल (Curative Care)

(d) पुर्नवास संबंधित देखभाल (Rehabilitative Care)

4. सस्ती (Cost-effectiveness)

स्वास्थ्य देखभाल की कीमत इतनी होनी चाहिए ताकि उसका उपयोग एक गरीब आदमी भी कर सके।

Every man can do it. Health care should be priced so that it can be used by a poor

5. साध्यता (Feasibility) -

स्वास्थ्य देखभाल का नियोजन एवं क्रियान्वयन उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होना चाहिए, यदि स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध संसाधनों, जैसे- मानव-शक्ति, धन, सामग्री, समय तथा आवश्यकतानुसार नियोजित एवं क्रियान्वित की जाती है तो ये अधिक प्रभावी साबित होगी।

Planning and implementation of health care should be based on

nursinggyan.com

the available resources. If health care is planned and implemented as per the available resources, such as manpower, money, material, time and requirement, then it proves to be more effective. Will happen.

6. संगत (Appropriateness) -

स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति, परिवार तथा समाज की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए तथा इसमें आधुनिक तकनीकों का भी समावेश होना चाहिए ताकि स्वास्थ्य देखभाल का अच्छा लाभ मिल सके।

Health care should be according to the needs of the individual, family and society and it should also include modern technologies so that good benefits of health care can be provided.

Q. स्वास्थ्य देखभाल या स्वास्थ्य सुविधा के स्तर समझाइए।

Explain the levels of health care.

उत्तर- स्वास्थ्य देखभाल मुख्यतः त्रिस्तरीय होती है।

Health care is mainly three-tier.

1. प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (Primary Health Care) -

ये मुख्य रूप से रोधात्मक (preventive) प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल होती है जोकि समुदाय के लोगों में बीमारियों की रोकथाम के लिये प्रदान की जाती है।

इस प्रकार की सेवा उपकेन्द्र (sub-centre) तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के द्वारा व्यक्ति, परिवार तथा समाज के लोगों को दी जाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व्यक्ति, परिवार, समुदाय को सरकार द्वारा प्रदान की जा

nursingguru.com

रही स्वास्थ्य सेवाओं के साथ प्रथम स्तर का सम्पर्क (first level of contact) होता है।

This is mainly preventive type of health care which is provided to prevent diseases among the people of the community.

This type of service is provided to individuals, families and people of the society through sub-centres and primary health centres.

Primary health care is the first level of contact with the health services provided by the government to the individual, family and community.

2. द्वितीयक स्वास्थ्य देखभाल (Secondary Health Care) -

द्वितीयक स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत वे स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं जो मेडिकल विशेषज्ञों तथा हेल्थ प्रोफेशनल्स (Health Professionals) के द्वारा प्रदान की जाती हैं।

इस स्तर की स्वास्थ्य देखभाल के अन्तर्गत स्वास्थ्य संबंधी जटिल समस्याओं का निदान एवं उपचार किया जाता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (Community Health Centre) तथा जिला अस्पताल द्वितीय स्तर की स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित होते हैं।

Secondary health care includes those health services which are provided by medical experts and health professionals.

Under this level of health care, complex health related problems are diagnosed and treated.

Community Health Center and District Hospital are related to second level health care.

nursingguan.com

3. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल (Tertiary Health Care) -

तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल में specialised health care होती हैं जोकि प्राथमिक तथा द्वितीयक स्तर से हेल्थ प्रोफेशनल द्वारा रैफर किए गए मरीजों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती हैं।

इस प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल में लोगों की बीमारियों के निदान एवं उपचार के साथ-साथ विभिन्न अनुसंधानों (researches) संबंधित कार्य भी किए जाते हैं।

Tertiary health care consists of specialized health care that provides health services to patients referred by health professionals from primary and secondary levels.

This type of health care involves the diagnosis and treatment of people's diseases as well as various researches.Related work is also done.

nursinggyan.com